नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-बेल्जियम संबंधों का रणनीतिक विस्तार

भारत और बेल्जियम के बीच संबंध अब पारंपरिक कूटनीतिक और व्यापारिक दायरे से निकलकर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से यह स्पष्ट है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में दोनों देश एक-दूसरे को केवल व्यापारिक साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी के तौर पर देख रहे हैं.

रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे विषयों पर सहयोग इस रिश्ते की नई व्यापकता को रेखांकित करता है.भारत के लिए यूरोप में बेल्जियम का महत्व उसकी भौगोलिक स्थिति और औद्योगिक-तकनीकी क्षमता के कारण भी विशेष है. बेल्जियम यूरोपीय संघ की संस्थागत संरचना का महत्वपूर्ण केंद्र है और अत्याधुनिक तकनीक, अनुसंधान तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में उसकी मजबूत स्थिति है. ऐसे में अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य केवल व्यापारिक आंकड़ा नहीं, बल्कि आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देने की महत्वाकांक्षा है. रक्षा सहयोग का विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है.

भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस प्रक्रिया में अत्याधुनिक तकनीक तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारी दोनों की आवश्यकता है. जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर सहयोग यह बताता है कि भारत अब केवल रक्षा सामग्री का खरीदार नहीं, बल्कि सह-विकास और सह-निर्माण की क्षमता रखने वाला साझेदार बन रहा है. सैन्य प्रशिक्षण और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान का निर्णय आतंकवाद तथा बदलती सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में भी अहम है. स्वच्छ ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग भविष्य की अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जुड़ा है. काकीनाडा में बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का विकास भारत की हरित ऊर्जा महत्वाकांक्षा और बेल्जियम की तकनीकी क्षमता को जोड़ता है.

दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, रक्षा उपकरण और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए इन खनिजों की उपलब्धता आने वाले वर्षों में रणनीतिक शक्ति का आधार बनने वाली है. सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बेल्जियम के आईएमईसी संस्थान की विशेषज्ञता और भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का मेल दूरगामी परिणाम दे सकता है.भारत का बड़ा बाजार, कुशल मानव संसाधन और उत्पादन क्षमता तथा बेल्जियम की अनुसंधान विशेषज्ञता एक-दूसरे की पूरक बन सकती है.

इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पक्ष साझा वैश्विक दृष्टिकोण भी है. नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास तथा यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों की शीघ्र समाप्ति का समर्थन दोनों देशों की समान सोच को दर्शाता है. आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ साझा प्रतिबद्धता भी महत्वपूर्ण है. बहरहाल,आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था युद्ध, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं से जूझ रही है, भारत का 7.5 प्रतिशत की गति से बढ़ना उसकी आर्थिक मजबूती का संकेत है. यही मजबूती भारत को दुनिया के साथ समानता और आत्मविश्वास के साथ साझेदारी करने की क्षमता देती है. बेल्जियम के साथ संबंधों का यह नया अध्याय इसी बदलते भारत की कूटनीतिक और आर्थिक ताकत का प्रमाण है.

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं. करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं. यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए. वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना. अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में. कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए.

> हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है. मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगणऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़े. मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें. मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पड़े और बहुत आगे बढ़े.

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है. सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा. हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं. सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी. अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं. मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं. शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, सहयात्री भी होते हैं.

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं. सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है. शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है. यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है. यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है.

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं. मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है. विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी. बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है. स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं. मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं. लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी. उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं. उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं. इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई. उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया.

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं. वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे. इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है. शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो. विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है. नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यशप्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं.

(लेखिका भारत की राष्ट्रपति हैं.)

संसद के विशेष सत्र की संभावना

संसद के मानसून सत्र के समापन की अधिकृत अधिसूचना अब तक जारी नही की गई. ऐसे में संभावना व्यक्त की जा रही है कि इसी माह 2-3 दिनों की बैठक बुलाई जा सकती है, जिसे विशेष अधिवेशन का नाम दिया जा सकता है. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने का संकेत दिया है. सरकार को 2 संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने हैं. चुनाव क्षेत्र परिसीमन का कांग्रेस विरोध कर रही है और उसकी मांग है कि लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों को कायम रखते हुए उनकी तादाद न बढ़ाई जाए. महिला आरक्षण का कांग्रेस ने विरोध नहीं किया, परंतु उसका कहना है कि यह बिल तो पहले ही पास हो चुका है अब सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन बिल लाने की फिराक में है. कांग्रेस का कहना है कि 543 सीटों में ही महिला आरक्षण का प्रावधान किया जाएं. संविधान संशोधन करने के लिए दोतिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है. अप्रैल में संसद का बजट सत्र समाप्त होने के बाद सरकार ने 2 संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के उद्देश्य से 3 दिनों का विशेष सत्र बुलाया था. उसमें दोतिहाई बहुमत नहीं मिलने से दोनों विधेयक पारित नहीं हो पाए. अब सरकार को भरोसा है कि वह किसी न किसी तरह बहुमत जुटा लेगी. अप्रैल के बाद से राजनीतिक स्थितियों में बदलाव आया है. डीएमके ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ दिया है. यदि वह सहयोग देने को तैयार हो तो सरकार विशेष सत्र बुला सकती है. इस दौरान शिवसेना (उद्धव) के 6 सांसद शिवसेना (शिंदे) में शामिल हो गए हैं. बीजद के कुछ राज्यसभा सदस्य बीजेपी में आ गए हैं. टीएमसी के 70 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है. सरकार अन्य दलों को राजी करने का प्रयास कर सकती है. जब उसे लगेगा कि फ्लोर मैनेजमेंट करना संभव है तो वह विशेष सत्र बुला सकती है. इन 2 विधेयकों को पारित करने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

मध्य क्षेत्र की डायरी...

भ्रष्टाचार से लापरवाही तक यह कैसा 'जीरो टॉलरेंस'!

संदीप चंसौरिया

सरकार अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से लेकर तमाम स्तर पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का दावा करते सुशासन की बात करती है. लेकिन, हाल के ही कुछ मामले दावे की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े करते नजर आ रहे हैं. चिंता इसलिए भी लाजिमी है क्योंकि सवाल अब विपक्ष के साथ साथ सत्तारूढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता ही उठा रहे हैं. जो पूर्ववर्ती सरकारों मंत्री भी रहे हैं.

क्या बैगा बच्चों की मौत के लिए सिर्फ सीएमएचओ जिम्मेदार?

बालाघाट का बैगा अंचल इसका सबसे गंभीर उदाहरण है. यहां 29 आदिवासी बच्चों की मौत प्रशासनिक लापरवाही के चलते हो गई. अभी भी जिले में बड़ी संख्या में बच्चों के कुपोषित पाए गए हैं. अफसरों की मानें तो मौतों के पीछे मलेरिया और अन्य संक्रमण जैसे कारण हैं. इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों की आंगनबाड़ियों में बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार लंबे समय तक नहीं पहुंचा. छह महीने तक पोषण आहार नहीं मिलने के आरोपों को लेकर सवाल भी उठे हैं. बालाघाट में टेक-होम राशन की आपूर्ति और परिवहन को लेकर प्रशासनिक शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं. यदि जांच में यह आरोप सही साबित होता है तो सवाल केवल कुपोषण का नहीं, बल्कि उन बच्चों तक सरकारी व्यवस्था की पहुंच का होगा, जिनके लिए यह योजना बनाई गई है. सरकार ने संकट के बाद प्रभावित परिवारों के लिए सहायता और बैगा क्षेत्र के विकास से जुड़े कदमों की घोषणा की है. साथ ही सीएमएचओ को हटा दिया. लेकिन, असली सवाल यह है कि क्या सरकारी तंत्र को संकट इतना गंभीर होने का इंतजार करना पड़ा? जीरो टॉलरेंस की असली परीक्षा संकट के बाद की कार्रवाई नहीं, संकट से पहले की सतर्कता है.

सरकारी अफसर करोड़ों का आसामी!

भ्रष्टाचार के मोर्चे पर भी प्रदेश में असहज स्थिति है. पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री कमल किशोर सिंगारे के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की कार्रवाई में सेवा के दौरान अब तक की आय 1.5 करोड़ से करीब आठ गुना ज्यादा 11 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति सामने आई. यह तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की बानगी है. पिछले पन्ने पलटे जाएंगे तो और भी हैरान करने वाली कड़वी सच्चाई की फेहरिस्त तैयार हो जाएगी. कार्रवाई निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन इससे बड़ा सवाल निगरानी तंत्र पर है, इतनी बड़ी कथित संपत्ति आखिर इतने लंबे समय तक व्यवस्था की नजर से कैसे बची रही?

अपने भी अनसुनी से असहज

जबलपुर में भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने सड़क और पुल के काम में देरी तथा विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर अपनी ही सरकार पर न सिर्फ सवाल उठाए, बल्कि विश्नोई यह कहने से भी नहीं हिचके कि यदि यही स्थिति रही तो सरकार के लिए संकट खड़ा हो जाएगा. वहीं पूर्व मंत्री जयंत मलैया ने नेताओं और अधिकारियों पर गरीबों के हक का पैसा खाने जैसे गंभीर आरोप लगाए. सत्ता पक्ष के भीतर से उठती ये आवाजें बताती हैं कि प्रशासनिक जवाबदेही का सवाल अब केवल राजनीतिक आरोप नहीं रह गया है.

जीरो टॉलरेंस की असल कसौटी है परिणाम

इन घटनाओं को सुशासन के तराजू पर तौला जाए तो बालाघाट में बच्चों का स्वास्थ्य संकट, पोषण व्यवस्था पर सवाल, भ्रष्टाचार के आरोप और जनप्रतिनिधियों की नाराजगी, सभी एक ही बड़ी चुनौती की ओर संकेत करते हैं: क्या शासन की निगरानी व्यवस्था उतनी ही मजबूत है, जितना सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा? जीरो टॉलरेंस केवल छापे, निलंबन और जांच तक सीमित नहीं हो सकता. उसका मतलब है—भ्रष्टाचार को पनपने से पहले रोकना, लापरवाही को त्रासदी बनने से पहले पकड़ना और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है. जनता को कार्रवाई की खबरों से ज्यादा परिणाम चाहिए. आदिवासी बच्चे को समय पर पोषण और इलाज, गरीब को उसका पूरा हक और आम नागरिक को गुणवत्तापूर्ण सरकारी काम मिले—यही जीरो टॉलरेंस की असली कसौटी है.

निशानेबाज

भारत से अमेरिका तक तुलसी, देखो उसकी खासियत कैसी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, भारत में हर हिंदू के घर में तुलसी का पौधा रहता है. घर के आंगन में वृंदावन रखने और शाम को तुलसी के पास दीया जलाने की पुरानी परंपरा है. कहते हैं जिसके द्वार पर तुलसी का बिरवा हो, वहां जाने की यमदूत हिम्मत नहीं करते. तुलसी पापनाशिनी है. भगवान कृष्ण के नैवेद्य में तुलसी पत्र डाले बिना वह उसे ग्रहण नहीं करते. भगवान के माथे पर मंजरी युक्त तुलसी चढ़ाई जाती है. दीपावली के बाद जब देवोत्थानी एकादशी आएगी, तो तुलसी विवाह मनाया जाएगा. तुलसी का पौधा 24 घंटे ऑक्सीजन देता है. तुलसी लगाओ, पर्यावरण बचाओ ! सर्दी-खांसी होने पर तुलसी का काढ़ा पीने से राहत मिलती है. अमेरिका में अक्टूबर से मार्च तक बहुत ठंड पड़ती है, बर्फ भी गिरता है, इसलिए वहां के मौसम में तुलसी का पौधा नहीं पनपता.'

हमने कहा, 'अमेरिका में भी तुलसी है. वहां स्वयंघोषित हिंदू तुलसी गबार्ड को राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार या एनएसए बनाया था. यह बात अलग

है कि बाद में तुलसी गबार्ड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. जहां तक भारत की बात है, एकता कपूर ने 7 वर्ष तक चले अपने टीवी सीरियल में स्मृति ईरानी को तुलसी का किरदार दिया था. वह घर-घर तुलसी बहू के रूप में पहचानी जाने लगी. बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने तुलसी (स्मृति ईरानी) को अपने मंत्रिमंडल में रखा. यह रायबरेली में राहुल गांधी को हराने का इनाम था, लेकिन 2024 के चुनाव में पासा पलट गया. स्मृति ईरानी चुनाव हार गई.

मोदी ने चुनाव न लड़ने वाली निर्मला सीतारमन को फिर वित्तमंत्री बनाया, लेकिन चुनाव हारने के बाद स्मृति को नहीं पूछा. वह फिर टीवी सीरियल में तुलसी वीरानी बनने को मजबूर हो गईं. कभी वह एक्ट्रेस रहती हैं, तो कभी राजनीति में चली आती हैं. अब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने उन्हें अपनी कार्यकारिणी में रखा है. शायद 2029 के चुनाव में स्मृति ईरानी को फिर राहुल के मुकाबले खड़ा किया जाएगा. रायबरेली से स्मृति का संबंध ऐसा है जैसे, मैं तुलसी तेरे आंगन की! इस नाम की फिल्म में विजय आनंद, नूतन और आशा पारेख ने काम किया था.'

शब्द-सागर 12370

- डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. पारस्परिक, आपस का, आपस में होने वाला 2. फंदा, जाल, बंधन 3. दृढ़, जिसमें दम हो, जिसमें जीवन शक्ति हो 4. स्तुति करना (सं.) 5. किसी कार्य को भली-भांति करने का कौशल, हुनर 6. बच्चा, म. बुद्ध के पूर्वजन्म की कथाएं 9. गौतम बुद्ध की पत्नी 11. एक प्रकार का नाट, रसा शोरबा 13. एक उड़ने वाला जंतु जिसकी आकृति चूहे के समान होती है 14. एक आंख का, एकाक्ष 16. घृणा 17. बलपूर्वक, जबरदस्ती 19. तीर, बाण (सं). 21. पिता, बाप, पूज्य व्यक्ति

बाएं से दाएं

1. सिर से पांव तक (सं.) 7. बहुत उम्दा और नरम ऊन जो अधिकतर कश्मीर और तिब्बत की बकरियों से प्राप्त होता है 8. वली होना 10. बरामदा, ओसारा 12. मातम 13. गांजे के वृक्ष का गोंद जिसे नशेबाज पीते हैं 14. कार्य, व्यवसाय 15. धन का राजा 18. गरुड़, मयूर (सं.) 20. भाव, दरवाजा, गुफा 21. वह सरकारी जगह जहां तार द्वारा समाचार भेजे जाते हैं 22. वृक्ष का वह भाग जो भूमि में रहता है 23. निरंतर, लगातार, सदा

Solution 12369

च	श्म	दी	र	■	पं	च	क
र	■	वा	म	पं	थी	■	र्ना
खा	■	ना	■	डा	■	च	ट
■	च	■	ब	ल	का	झ्ं	क
गु	प	चु	प	■	पा	वा	■
द	ल	प	ति	■	लि	हा	ज
गु	■	■	स्मा	र	क	■	ह
दी	म	क	■	क्षा	■	सौ	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में धैर्य साहस एवं परिश्रम से स्थितियां अनुकूल रहेंगी. व्यापार में सफलता मिलेगी. वर्ष के मध्य में मनोरंजन में व्यय होगा. स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी. वर्ष के अन्त में पारिवारिक अव्यवस्था से मन खिन्न रहेगा. व्यवसायिक निर्णय लेने में जल्दबाजी न दिखायें, स्त्री पक्ष से कष्ट होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की धैर्य एवं परिश्रम से स्थितियां अनुकूल रहेंगी. कर्क राशि के व्यक्तियों का मनोरंजन में व्यय होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में व्यस्तता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यापार में अनुकूलता प्राप्त होने का योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को साहस से कार्य करना हितकर रहेगा. परिश्रम होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक लगनशील, बुद्धिमान, महत्वाकांक्षी अपने कार्य के प्रति लगन रखने वाला खेलों में अग्रणी होगा. दूसरों को कभी नुकसान नहीं पहुंचायेगा. सदैव दूसरों की मदद के लिये तत्पर रहेगा. व्यवहारकुशल और स्पष्टवादी होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

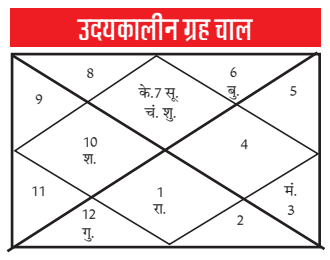

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण नवमीं शनिवासरे रात 8/46, मृगशिरा नक्षत्रे रात 9/32, वज्र योगे दिन 1/48, तैतिल करणे सू.उ. 5/46, सू.अ. 6/14, चन्द्रचार वृषभ, दिन 10/22 से मिथुन, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण नवमीं को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से कपास, सूत, बिनौला, गुड़, हींग, लालमिर्च, तिल,तेल,में तेजी होगी. जीरा, धनियां, सौंठ, के भाव में साधारण तेजी होगी. वायदा विचार आज के बने भाव विशेष रूप से सभी वस्तुओं में मंदी होगी. भाग्यांक 4742 है.

मेष- विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा. जीविका के क्षेत्र में मनोनुकूल प्रगति होगी. उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक लाभ का योग है.

वृषभ- व्यापारिक मामलों में सफलता मिलेगी. कोई सुखद समाचार मिलेगा. लेखनादि कार्यों में रूचि रहेगी. पदोन्नति का योग है. श्रम होगा.

मिथुन- किसी मूल्यवान वस्तु के गुमने की आशंका है. पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. धार्मिक भावनाओं में वृद्धि होगी. प्रवास का योग है.

कर्क- आत्म विश्वास में वृद्धि होंगी. दूसरों को सहयोग करना पड़ेगा. संतान आदि के संबंध में सुखद समाचार मिलने से विशेष प्रसन्नता होगी.

सिंह- उदर विकार तथा रक्त पीड़ा हो सकती है. व्यवसायिक तनाव दूर होगा. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. सहयोगीजन आपकी मदद करेंगे.

कन्या- पारिवारिक मान प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यवसायिक तनाव रह सकता है. घरेलू कार्यों में सफलता मिलेगी. यश मिलेगा. परिश्रम अधिक होगा.

तुला- अचानक किसी घटना से चिन्ता होगी. मानसिक तनाव रहेगा. व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा. सहयोगी जीवन अच्छा रहेगा.

वृश्चिक- व्यवसायिक कार्यों में सफलता मिलेगी. सुख सौहार्द्र बना रहेगा. जमीन जायजाद प्रापर्टी आदि की प्राप्ति के योग हैं. संयम से लाभ होगा.

धनु- मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. राजकीय क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. दायित्वों की पूर्ति होगी. मानसिक संतोष, सुख बना रहेगा.

मकर- यात्रा में सफलता मिलेगी. उपहार या मान सम्मान मिलेगा. खान पान में संयम रखें. धन खर्च होगा. पुरूषार्थ बना रहेगा. यश मिलेगा.

कुम्भ- आर्थिक समस्याओंका समाधान होगा. मान सम्मान मिलेगा. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. श्रम साध्य कार्य बनेंगे.

मीन- मांगलिक कार्यो की दिशा में सफलता मिलेगी. धन लाभ का योग है. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. दिनचर्या सामान्य नियमित रहेगी.

SUDOKU 7502

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7501

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1